भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 205

उत्तर देने की तारीख 29.11.2021

शिक्षा पर्व

205. श्री कुलदीप राय शर्माः
श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हेः
श्री अनुराग शर्माः
श्री गजानन कीर्तिकरः
श्री जी. सेल्वमः
डॉ. सुभाष रामराव भामरेः
श्री सी.एन. अन्नादुरईः
डॉ. डी.एन.बी. सेंथिलकुमार एसः
श्री धनुष एम. कुमारः
श्री रतनसिंह मगनसिंह राठौड़ः
श्री रेबती त्रिपुराः
श्री गौतम सिगामणि पोनः
श्रीमती भावना गवली पाटील:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल ही में शिक्षक पर्व मनाया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस अवसर पर आयोजित पर्व और कार्यक्रमों का विषय क्या था;

(ख) इस प्रयोजनार्थ कितनी धनराशि स्वीकृत और उपयोग की गई;

(ग) इस पर्व के दौरान शिक्षा क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए सरकार द्वारा क्या विभिन्न शैक्षणिक पहलें की गई;

(घ) क्या सरकार ने नई शिक्षा नीति, 2020 के कार्यान्वयन के बाद तेजी से बदलते युग में देश के विशेषकर दूरस्थ, ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में प्रभावी शिक्षण के लिए शिक्षकों को नई प्रणालियों और तकनीकों के बारे में प्रशिक्षित करने के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उसका क्या परिणाम निकला;

(ड.) महाराष्ट्र राज्य में और अधिक प्राथमिक तथा माध्यमिक विद्यालय खोलने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(च) हमारी शिक्षा प्रणाली को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या अन्य कदम उठाए गए हैं; और

(छ) क्या सरकार का विचार नई शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन के बाद दूरस्थ क्षेत्रों, ग्रामीण और पिछड़े गांवों में शिक्षकों को प्रशिक्षित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्री
(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क, ख और ग): जी, हाँ। गुणवत्ता, समावेशी कार्यव्यवहारों और सातत्यमूलक स्कूली अधिगम को व्यापक रूप से प्रसारित करने के लिए, वर्चुअल मोड के माध्यम से 5 सितंबर, 2021 से 17 सितंबर, 2021 तक शिक्षक पर्व का आयोजन किया गया था। नीति निर्माताओं, प्रशासकों, शिक्षाविदों, विशेषज्ञों, स्कूल के प्रधानाचार्यों, प्रमुख-शिक्षकों और शिक्षकों ने अपने अनुभवों, ज्ञान को साझा करने एवं एनईपी-2020 की आकांक्षाओं को साकार करने हेतु अग्रिम लक्ष्यों पर विचार करने के लिए शिक्षक पर्व में भाग लिया। इस वर्ष के शिक्षक पर्व का विषय **"गुणवत्तापरक और सातत्यमूलक विद्यालय: भारत के विद्यालयों से उपार्जित अनुभव"** था।
विषय को आगे नौ उप-विषयों में विभाजित किया गया था: -

(i) समावेशी कक्षाओं का पोषण।
(ii) गुणवत्तापूर्ण और धारणीय स्कूलों को बढ़ावा देना
(iii) बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान
(iv) हमारे स्कूलों में नवाचार की संस्कृति
(v) रुचिकर और आकर्षक शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु नवाचारी शिक्षणशास्त्र
(vi) शिक्षा में प्रौद्योगिकी: एनडीईएआर
(vii) मूल्यांकन-समग्र प्रगति कार्ड की प्रणाली का रूपांतरण
(viii) भारतीय ज्ञान प्रणाली, कला और संस्कृति को प्रोत्साहित करना
(ix) व्यावसायिक शिक्षा और कौशल निर्माण की पुनर्कल्पना

प्रत्येक उप-विषय पर नब्बे (90) मिनट की अवधि के वेबिनार आयोजित किए गए थे।
भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने 7 सितंबर, 2021 को आयोजित उद्घाटन सम्मेलन में भाग लिया और शिक्षा क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए निम्नलिखित पहल की शुरुआत की:-

(i) भारतीय सांकेतिक भाषा शब्दकोश (अधिगम के यूनिवर्सल डिजाइन के अनुरूप श्रवण बाधितों के लिए ऑडियो और टेक्स्ट एम्बेडेड सांकेतिक भाषा वीडियो)
(ii) टॉकिंग बुक्स (दृष्टिबाधितों के लिए ऑडियोबुक्स)
(iii) सीबीएसई का स्कूल गुणवत्ता आश्वासन और मूल्यांकन ढांचा
(iv) निपुण भारत के लिए निष्ठा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम और
(v) विद्यांजली पोर्टल (स्कूल विकास के लिए शिक्षा स्वयंसेवकों/दाताओं/सीएसआर योगदानकर्ताओं के लिए सुगम बनाना)।

शिक्षक पर्व शिक्षा मंत्रालय के समग्र बजट में मनाया गया।

(घ) और (छ): विशेष रूप से दूरस्थ, ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षकों के प्रशिक्षण, कुशल शिक्षण हेतु नई प्रणालियों और तकनीकों के बारे में सीखने के लिए इस विभाग ने अक्तूबर 2020 में दीक्षा मंच पर निष्ठा की

ऑनलाइन शुरुआत की है। निष्ठा ऑनलाइन में 11 भाषाओं में 18 मॉड्यूल शामिल हैं। शिक्षण परिणामों, दक्षता आधारित शिक्षण और परीक्षण, प्रशिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षाशास्त्र, स्कूल सुरक्षा और संरक्षण, व्यक्तिगत-सामाजिक गुणों, समावेशी शिक्षा, कृत्रिम बुद्धिमता सहित शिक्षण-अधिगम में आईसीटी, योग सहित स्वास्थ्य और कल्याण, पुस्तकालय, ईको क्लब, यूथ क्लब, किचन गार्डन सहित स्कूल शिक्षा संबंधी पहलें, स्कूल नेतृत्व गुण, पर्यावरण संबंधी सरोकारों, प्री-स्कूल, पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा और स्कूल आधारित मूल्यांकन सहित इस मंच के माध्यम से एक आनंदमय शिक्षण विधि से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शिक्षकों का उन्मुखीकरण किया जाता है। प्रत्येक मॉड्यूल में दिशानिर्देश, प्राइमर, क्यूआर कोडित ई-सामग्री, वीडियो और अन्य ई-संसाधनों के साथ प्रशिक्षण पैकेज होते हैं। इसमें वार्तालाप हेतु एकाधिक दृष्टिकोण जैसे डीटीएच स्वयमप्रभा टीवी चैनल पर राष्ट्रीय स्तर के संसाधन व्यक्तियों द्वारा वीडियो, सीधे प्रसारणों के साथ टेक्स्ट मॉड्यूल और इंटरेक्टिव वॉइस रेस्पोंस प्रणाली शामिल है। 30 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों एवं सरकार के 8 स्वायत्त संगठनों (सीबीएसई, केवीएस, एनवीएस, एईईएस, सैनिक स्कूल, सीटीएसए, सीआईसीएसई और ईएमआरएस) ने 11 भाषाओं (असमिया, बंगाली, बोडो, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, उड़िया, पंजाबी, तेलुगु और उर्दू) में ऑनलाइन निष्ठा पाठ्यक्रम संचालित किए गए हैं। जून, 2021 तक लगभग 24 लाख शिक्षकों ने प्रारंभिक स्तर पर निष्ठा ऑनलाइन प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। माध्यमिक शिक्षकों और बुनियादी स्तर पर पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए निष्ठा ऑनलाइन प्रशिक्षण का आगे और विस्तार किया गया है।

(ड.): सरकार महाराष्ट्र राज्य में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों सहित स्कूली शिक्षा को सुदृढ़ करने हेतु निरंतर कदम उठा रही है। 2018-19 से सुदृढ़ बनाने वाले विभिन्न घटकों का विवरण अनुबंध-I में दिया गया है।

(च): केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में कार्यान्वित समग्र शिक्षा योजना, प्री-स्कूल से लेकर XII वीं कक्षा तक के सभी पहलुओं को शामिल करने वाली स्कूली शिक्षा के लिए एक एकीकृत योजना है। यह योजना स्कूली शिक्षा को एक सातत्य के रूप में मानती है और शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी-4) के अनुसार है। यह योजना न केवल आरटीई अधिनियम के कार्यान्वयन हेतु सहायता प्रदान करती है, बल्कि एनईपी 2020 की सिफारिशों के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए संरेखित भी की गयी है कि सभी बच्चों को समान और समावेशी कक्षा के वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच प्राप्त हो, जो उनकी विविध पृष्ठभूमि, बहुभाषी आवश्यकताओं, विभिन्न शैक्षणिक क्षमताओं का ध्यान रखे और उन्हें अधिगम प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाए।

योजना के तहत प्रस्तावित स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर प्रमुख कार्यकलाप हैं: (i) अवसंरचना विकास और प्रतिधारण सहित सार्वभौमिक पहुँच; (ii) बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान, (iii) जेंडर और समानता; (iv) समावेशी शिक्षा; (v) गुणवत्ता और नवाचार; (vi) शिक्षक वेतन हेतु वित्तीय सहायता; (vii) डिजिटल पहल; (viii) वर्दी, पाठ्यपुस्तक आदि सहित आरटीई पात्रता; (ix) ईसीसीई के लिए सहायता; (x) व्यावसायिक शिक्षा; (xi) खेल और शारीरिक शिक्षा; (xii) शिक्षक शिक्षा और प्रशिक्षण का सुदृढ़ीकरण; (xiii) निगरानी; (xiv) कार्यक्रम प्रबंधन; और (xv) राष्ट्रीय घटक।

अपनी शिक्षा प्रणाली को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बनाने एवं युवाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा शुरू की गई अन्य पहलों का विवरण अनुबंध-II में दिया गया है।

*****

अनुबंध-I

शिक्षा पर्व' के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री कुलदीप राय शर्मा और अन्य माननीय संसद सदस्यों द्वारा दिनांक 29.11.2021 को लोक सभा में पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्न सं0 205 के भाग (ड.) में उल्लिखित अनुबंध।

माध्यमिक

मद	2018-19		2019-20		2020-21		2021-22		संचयी		टिप्पणी
	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	
नए स्कूल	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	लक्ष्य से अधिक उपलब्धियां पिछले वर्षों की संस्वीकृतियों से संबंधित हैं
एसीआर	0	67	14	116	0	54	2	0	16	237	
विज्ञान प्रयोगशाला	0	7	0	25	0	15	3	0	3	47	
कम्प्यूटर कक्ष	0	7	0	9	0	3	2	0	2	19	
पुस्तकालय कक्ष	0	11	0	30	0	12	4	0	4	53	
कला/क्राफ्ट/संस्कृति कक्ष	0	26	4	44	0	20	3	0	7	90	
बालिका शौचालय	0	0	0	67	0	2	14	0	14	69	
बालक शौचालय	0	0	0	9	0	2	14	0	14	11	
पेयजल	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	

उच्च माध्यमिक

मद	2018-19		2019-20		2020-21		2021-22		संचयी	
	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि
विज्ञान प्रयोगशाला	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0
कला/क्राफ्ट	0	0	8	8	0	0	3	0	11	8
पुस्तकालय	0	0	2	1	0	0	3	0	5	1
भौतिक प्रयोगशाला	0	0	2	2	0	0	4	0	6	2
जीव विज्ञान प्रयोगशाला	0	0	2	2	0	0	5	0	7	2
रसायन विज्ञान प्रयोगशाल	0	0	1	1	0	0	5	0	6	1
एसीआर	0	0	16	10	0	0	4	0	20	10

प्रारम्भिक

मद	2018-19		2019-20		2020-21		2021-22		संचयी		टिप्पणी
	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	
प्राथमिक स्कूल	0	0	0	1	0	1	0	0	0	2	लक्ष्य से अधिक उपलब्धियां पिछले वर्षों की संस्वीकृतियों से संबंधित हैं
यूपीएस	0	0	10	0	0	0	0	0	10	0	
एसीआर	57	169	0	162	0	612	5	0	62	943	
डीडबल्यू	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
छात्र शौचालय	272	788	0	344	0	344	0	0	272	1476	
छात्रा शौचालय	246	547	0	182	0	183	0	0	246	912	
सीडबल्यूएसएन शौचालय	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	

स्रोत: प्रबंध

अनुबंध-II

'शिक्षा पर्व' के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री कुलदीप राय शर्मा और अन्य माननीय संसद सदस्यों द्वारा दिनांक 29.11.2021 को लोक सभा में पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्न सं0 205 के भाग (च) में उल्लिखित अनुबंध।

शुरू की गयी पहलें

क्र.सं.	**शुरू किए गए कार्यकलाप**	**जारी करने की तिथि**
1.	एनडीईएआर (राष्ट्रीय डिजिटल शैक्षिक ढांचा): स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, राष्ट्रीय डिजिटल शैक्षिक ढांचे (एनडीईएआर) की शुरुआत करेगा। एनडीईएआर का लक्ष्य शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र को सक्रिय और उत्प्रेरित करने के लिए एक एकीकृत राष्ट्रीय डिजिटल अवसंरचना ढांचा तैयार करना है।	29 जुलाई, 2021
2.	विद्या प्रवेश, एक स्कूल तैयारी मॉड्यूल: एनईपी-2020 में एक अंतरिम उपाय के रूप में यह सुनिश्चित करने हेतु कि सभी बच्चे गुणवत्तापूर्ण प्री-स्कूली शिक्षा का सार्वभौमिक प्रावधान प्राप्त होने तक ग्रेड I के लिए तैयार हैं, एनसीईआरटी द्वारा प्री-स्कूल शिक्षा के साथ और उसके बिना ग्रेड 1 के सभी छात्रों'के लिए '3-महीने के खेल-आधारित स्कूल तैयारी मॉड्यूल' के विकास की सिफारिश की गई है। तदनुसार, एनसीईआरटी ने 3 महीने का खेल आधारित 'स्कूल तैयारी मॉड्यूल' विकसित किया है जिसे राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उनकी आवश्यकता के अनुरूप बनाया या अपनाया जा सकता है।	29 जुलाई, 2021
3.	निष्ठा 2.0 (माध्यमिक): एनसीईआरटी ने शिक्षक प्रशिक्षण का एक नवाचारी एकीकृत कार्यक्रम तैयार किया है, जिसे अब निष्ठा (स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति हेतु एक राष्ट्रीय पहल) के रूप में जाना जाता है। इसे प्रारंभिक शिक्षक प्रशिक्षण के लिए अगस्त 2019 में प्रारम्भ किया गया था। लगभग 40 लाख प्राथमिक शिक्षकों के प्रशिक्षित होने के बाद, निष्ठा प्रशिक्षण माध्यमिक शिक्षकों के लिए बढ़ा दिया गया है, इसमें सामान्य और विषय विशेष मॉड्यूल सहित 68 मॉड्यूल होंगे और लगभग 10 लाख शिक्षक शामिल होंगे।	29 जुलाई, 2021
4.	ग्रेड 3, 5 और 8 के लिए दक्षता-आधारित मूल्यांकन ढांचा: एनईपी 2020 के अनुसार सीबीएसई स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2021-22 से ग्रेड 3, 5 और 8 के लिए दक्षता-आधारित मूल्यांकन शुरू किया जाएगा। यह मूल्यांकन मुख्य अवधारणाओं, आवेदन-आधारित प्रश्नों और उच्च स्तरीय बौद्धिक कौशल पर केंद्रित होगा। इंस्ट्रूमेंट ऑफ रिलीज़: **सफल**	29 जुलाई, 2021

क्र.सं.	शुरू किए गए कार्यकलाप	जारी करने की तिथि
	(अधिगम स्तरों के विश्लेषण के लिए संरचित आकलन) नामक फ्रेमवर्क डॉक्यूमेंट। इससे 24,000 से अधिक सीबीएसई स्कूलों और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 50 लाख से अधिक छात्रों को लाभ होगा, जो इस फ्रेमवर्क को अपनाते हैं।	
5.	भारतीय सांकेतिक भाषाओं के लिए पहल: एनआईओएस द्वारा एक विषय के रूप में भारतीय सांकेतिक भाषा को पेश करना, जिसके लिए पाठ्यक्रम सामग्री विकसित की गई है और इसे माध्यमिक स्तर के छात्रों के लिए एनआईओएस द्वारा भाषा विषय के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। साथ ही, एनआईओएस ने माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर के लिए आईएसएल पर **700** वीडियो विकसित किए हैं और एनसीईआरटी ने आईएसएल में कक्षा **1-5** के लिए **525** वीडियो विकसित किए हैं, जिन्हें दीक्षा पर शुरू किया जाएगा।	29 जुलाई, 2021
6.	सार्वजनिक जागरूकता के लिए कृत्रिम बुद्धिमता: सीबीएसई ने इंटेल के सहयोग से एआई को एक समावेशी तरीके से समझने में सहायता करने के लिए एक स्व-गतिशील अधिगम कार्यक्रम तैयार किया है। इसमें एआई जागरूकता, एप्रिसिएशन और चार घंटे की मुक्त सामग्री पर मॉड्यूल शामिल हैं जो यह समझने में सहायता करती है कि एआई हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग कैसे बन गया है। यह सामग्री डिजिटल पहुँच वाले किसी भी व्यक्ति के लिए **11** विभिन्न स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध होगी और दृष्टिबाधित लोगों द्वारा उपयोग किए जाने वाले विभिन्न टॉकबैक अनुप्रयोगों के साथ सहज होगी। यह दीक्षा मंच पर उपलब्ध होगी।	29 जुलाई, 2021
7.	एनईपी उपलब्धि पुस्तिका: राष्ट्रीय शिक्षा नीति **2020 (**एनईपी: **2020)** बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) से लेकर उच्चतर शिक्षा तक के सभी स्तरों पर संपूर्ण शिक्षा प्रणाली में पर्याप्त परिवर्तन की परिकल्पना करती है। यह शिक्षा को बिना किसी अलगाव के एक निरंतरता के रूप में परिकल्पित करता है और शिक्षा को अधिक अनुभवात्मक, समग्र, एकीकृत, चरित्र-निर्माण, पूछताछ- संचालित, खोज-उन्मुख, प्रशिक्षार्थी-केंद्रित, वार्तालाप-आधारित, सरल और इससे कहीं अधिक आनंदमय बनाने पर केंद्रित है। इस संदर्भ में, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग की पूरी टीम ने एनईपी 2020 के कार्यान्वयन को एक मिशन मोड में किया और 62 प्रमुख श्रेष्ठ लक्ष्यों को हासिल करने में	24 अगस्त, 2021

क्र.सं.	शुरू किए गए कार्यकलाप	जारी करने की तिथि
	सफल रहे जो स्कूली शिक्षा क्षेत्र में बड़े बदलाव करेंगे।	
8.	दीक्षा पर एफ़एलएन उपकरण और संसाधन: दीक्षा (ज्ञान साझाकरण हेतु डिजिटल अवसंरचना) भारत में स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय डिजिटल मंच है, जो राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) और शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है। दीक्षा का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों के लिए उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से अलग डिजिटल शिक्षण तक लोकतांत्रिक पहुँच प्रदान करना है। यह कहीं भी, कभी भी और किसी भी उपयोग के लिए एक निःशुल्क मोबाइल एप्लिकेशन और वेब पोर्टल के रूप में उपलब्ध है। दीक्षा के तहत, निपुण भारत दिशानिर्देशों को क्रियान्वित करने हेतु राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और शिक्षकों को सहायता और सलाह देने के लिए एफएलएन संसाधनों का एक अलग वर्टिकल विकसित किया गया है।	24 अगस्त, 2021
9.	एनआईओएस में वर्चुअल स्कूल (माध्यमिक स्तर के लिए): समग्र और आकर्षक अधिगम की सुविधा के लिए एनईपी **2020** के लक्ष्यों के अनुसार, एनआईओएस वर्चुअल लाइव कक्षा और वर्चुअल प्रयोगशालाओं के माध्यम से उन्नत डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए वर्चुअल स्कूल शुरू करने जा रहा है। दिव्यांग शिक्षार्थियों के लिए ई-मूल्यांकन पर विशेष ध्यान देने के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रॉक्टरिंग और प्रमाणन के माध्यम से मूल्यांकन निष्पादित किया जाएगा। इसके लिए न केवल संवादात्मक और अनुभवात्मक शिक्षण अधिगम की आवश्यकता होगी बल्कि यह शिक्षार्थियों के बीच गहन सोच और समस्या-समाधान कौशल विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।	24 अगस्त, 2021
10.	ग्रेड 1-5 के लिए वैकल्पिक शैक्षणिक कलेंडर: नए वैकल्पिक शैक्षणिक कैलेंडर में पाठ्यक्रम या पाठ्यपुस्तक से लिए गए अधिगम के परिणाम/विषय/अध्याय के संदर्भ में रुचिकर और चुनौतीपूर्ण कार्यकलापों सहित सप्ताह-वार योजना शामिल है। यह उपकरण वाले बच्चों और उपकरणों तक पहुंच नहीं रखने वाले बच्चों दोनों के लिए कार्यकलापों की मैपिंग करता है।	24 अगस्त, 2021
11.	प्रिया: एक्सेसिबल बुकलैट: स्कूल जाने वाले छात्रों के लिए पहुँच संबंधी एक सुलभ और इंटरेक्टिव ई-कॉमिक-सह-कार्यकलाप पुस्तक को बच्चों में उनके रचनात्मक वर्षों से ही समावेशी शिक्षा के प्रति एक कदम के	24 अगस्त, 2021

क्र.सं.	शुरू किए गए कार्यकलाप	जारी करने की तिथि
	रूप में अवधारणा और पहुंच के महत्व को समाहित करने हेतु तैयार किया गया है। वर्तमान में इस हिंदी और अंग्रेजी ई-बुक को 2 भागों में परिकल्पित किया गया है। कॉमिक स्ट्रिप में एक युवा लड़की की कहानी है जो अपने आस-पास एक्सेसिबिलिटी के महत्व को समझने और एक एक्सेसिबिलिटी वॉरिअॅर बनने की प्रतिज्ञा करने के मार्ग पर है।	
12	विद्यांजली **2.0:** सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों और छात्रों को लाभान्वित करने के लिए एक स्वयंसेवी प्रबंधन कार्यक्रम है। यह समुदाय/स्वयंसेवकों को उनकी रुचि के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के साथ वार्तालाप करने और सीधे जुड़ने में सहायता करेगा एवं अपने ज्ञान और कौशल को साझा करेगा तथा/या स्कूलों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए संपदा/सामग्री/उपकरण के रूप में योगदान देगा।	7 सितंबर, 2021
13	निष्ठा **3.0 (**बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान**):** स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय ने 5 जुलाई 2021 को बेहतर समझ और संख्यात्मक ज्ञान के साथ पढ़ने में प्रवीणता के लिए एक राष्ट्रीय पहल (एनआईपीयूएन भारत) शुरू की, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि देश में प्रत्येक बच्चा अनिवार्य रूप से ग्रेड 3, 2026-27 तक के अंत तक बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान प्राप्त कर ले। शिक्षकों के क्षमता निर्माण पर विशेष बल: एफएलएन पर विशिष्ट रूप से निष्ठा 3.0 प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया गया है और एनसीईआरटी द्वारा शुरू किया गया है जिसमें 28 राज्य और संघ राज्य क्षेत्र शामिल हुए हैं। प्री-प्राथमिक से प्राथमिक कक्षा में पढ़ाने वाले लगभग 25 लाख शिक्षकों को इस वर्ष एफएलएन पर प्रशिक्षित किया जाएगा।	7 सितंबर, 2021
14	वैश्विक अधिगम डिज़ाइन पर आधारित आईएसएल शब्दकोश**:** दिव्यांग बच्चों के लाभ के लिए दस हजार शब्दों का एक आईएसएल शब्दकोश निकाला गया है।	7 सितंबर, 2021
15	टॉकिंग बुक्स**:** समावेशी शिक्षा संसाधनों को विकसित करने के लिए। दृष्टिबाधित प्रशिक्षार्थियों के लिए वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर 14 विषयों के लिए डेज़ी प्रारूप में टॉकिंग बुक्स विकसित की गई हैं और दिव्यांग प्रशिक्षार्थियों के लिए, दिव्यांग छात्रों की जरूरतों को पूरा करने	7 सितंबर, 2021

क्र.सं.	शुरू किए गए कार्यकलाप	जारी करने की तिथि
	हेतु परीक्षाओं में छूट और रियायतों के लिए सामान्य दिशानिर्देश जारी किए गए थे। टॉकिंग बुक्स प्रवाह, शब्दावली, भाषा ज्ञान अर्जन, उच्चारण, ध्वन्यात्मक जागरूकता और समझ जैसे महत्वपूर्ण साक्षरता कौशल को बढ़ाने में सहायता करेंगी।	
16	स्कूल गुणवत्ता मूल्यांकन और प्रत्यायन (एसक्यूएएएफ): सीबीएसई को केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, निजी स्वतंत्र स्कूलों और बोर्ड से संबद्ध सरकारी स्कूलों के लिए मानक निर्धारण प्राधिकरण (एसएसए) के रूप में नामित किया गया है। तदनुसार, बोर्ड ने पाठ्यक्रम, शिक्षाशास्त्र, मूल्यांकन, अवसंरचना, समावेशी कार्यव्यवहारों, मानव संसाधन, प्रबंधन और शासन, और नेतृत्व जैसे स्कूली कार्यों के विभिन्न क्षेत्रों में मानक तैयार किए हैं।	7 सितंबर, 2021